TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

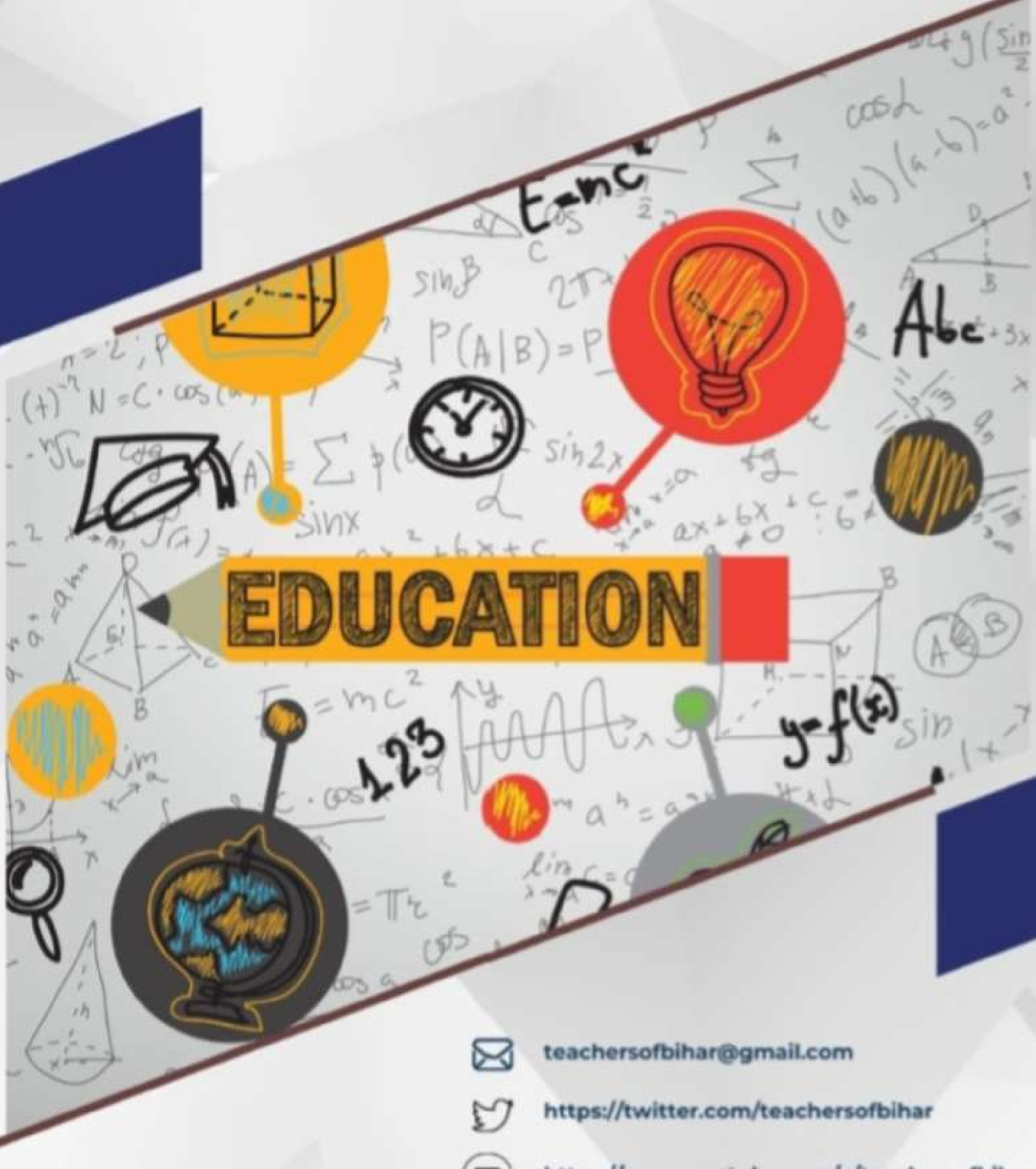

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

25 जुलाई 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जो जैसी संगति में रहता है, उसे

वैसा ही फल मिलता है।

संत कबीर

राकेश कुमार

मधु प्रिया

राष्ट्रपति का निर्वाचन 25 जुलाई

25 जुलाई को द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ग्रहण ली। यहां सवाल यह उठता है कि आखिरकार भारत के तमाम राष्ट्रपति 25 जुलाई को ही शपथ ग्रहण क्यों करते हैं। दरअसल, यह परंपरा आज की नहीं वर्षों पुरानी है और तब से ऐसी ही बनी हुई है। वर्ष 1977 से यह सिलसिला जारी है, जब 25 जुलाई 1977 को नीलम संजीवा रेड्डी ने देश के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। इनके बाद 1982 में ज्ञानी जैल सिंह, 1987 में आर वेंकटरमन, 1992 में शंकर दयाल शर्मा, 1997 में के आर नारायणन, 2002 में एपीजे अब्दुल कलाम, 2007 में प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, 2012 में प्रणब मुखर्जी ने भी 25 जुलाई को ही राष्ट्रपति की शपथ ली थी। फिर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी 2017 में ऐसा ही किया था। वैसे 1977 से पहले राष्ट्रपति के कार्यकाल अलग अलग रहे। भारत के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ है, जब कोई भी दिन बिना राष्ट्रपति के रहा हो। भारत में राष्ट्रपति का पद कभी भी खाली नहीं रहा। जिस दिन जिस राष्ट्रपति का कार्यकाल खत्म होता है, उसी दिन दूसरे राष्ट्रपति को शपथ दिला दी जाती है। पहले 1950 में राजेंद्र प्रसाद सबसे पहले राष्ट्रपति बने और उनके बाद हमेशा कोई ना कोई देश का राष्ट्रपति रहा। अगर आप कार्यकाल पर नज़र डालेंगे तो जिस दिन एक राष्ट्रपति का कार्यकाल खत्म होता है, उसी दिन दूसरे राष्ट्रपति की शपथ भी हो सकती है। वहीं, साल 1977 से 25 जुलाई के दिन ऐसा हो रहा है, इसलिए 25 जुलाई के दिन राष्ट्रपति पद के लिए शपथ दिलाई जाती है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 56 के अनुसार, राष्ट्रपति अपने पद ग्रहण करने की तिथि से 5 साल की अवधि के लिए पद धारण करता है। तथापि, अपनी पदावधि के अवसान के पश्चात् भी वह अपने पद पर तब तक बना रहता है, जब तक उसका उत्तराधिकारी उसका पद ग्रहण नहीं कर लेता है।

Teachers of Bihar

The change makers

जयंती विशेष 25 जुलाई

सोमनाथ चटर्जी *Somnath Chatterjee*, जन्म: 25 जुलाई, 1929, तेजपुर, असम; मृत्यु: 13 अगस्त, 2018, पश्चिम बंगाल) 'भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी' के प्रमुख नेताओं में से एक थे। वे चौदहवीं लोकसभा में पश्चिम बंगाल के बोलपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। श्री चटर्जी चौदहवीं लोकसभा के लोकसभा अध्यक्ष भी थे।

TOB

खेल कॉर्नर

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल-2025

(खास बातें)

सभी नेशनल फेडरेशन की तरह BCCI को भी देश के कानून का पालन करना होगा।

BOARD OF CONTROL FOR CRICKET IN INDIA

स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेशन बिल तय समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के हित के लिए इंस्टीट्यूशनल फ्रेम वर्क तैयार करेगा

2028 के लॉस एंजिल्स ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट शामिल किए जाने के बाद BCCI ओलिंपिक मूवमेंट का हिस्सा बना है

Teachers of Bihar

The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 25.07.2025

भाषा, लिपि और व्याकरण

भाषा, लिपि और व्याकरण एक दूसरे से संबंधित हैं। भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारों और भावों को व्यक्त करते हैं। लिपि वह तरीका है जिससे हम अपनी भाषा को लिखते हैं। व्याकरण वह नियम है जो हमें भाषा को सही ढंग से बोलने और लिखने में मदद करता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान
UK के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी रोबोट मछली बनाई है जो समुद्र की प्लास्टिक खाती है और उससे अपनी ऊर्जा खुद बनाती है – इसे बैटरी की जरूरत नहीं पड़ती।
www.teachersofbihar.org
राकेश कुमार

पद्य पंकज

"

ख्वाहिश नहीं मुझे
मशहूर होने की,
आप मुझे पहचानते हो
बस इतना ही काफी है।

मुंशी प्रेमचंद

Madhu priya

परिश्रमशील विद्वान् शोधकर्मी
समीक्षक

आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

की जयंती पर सादर नमन।

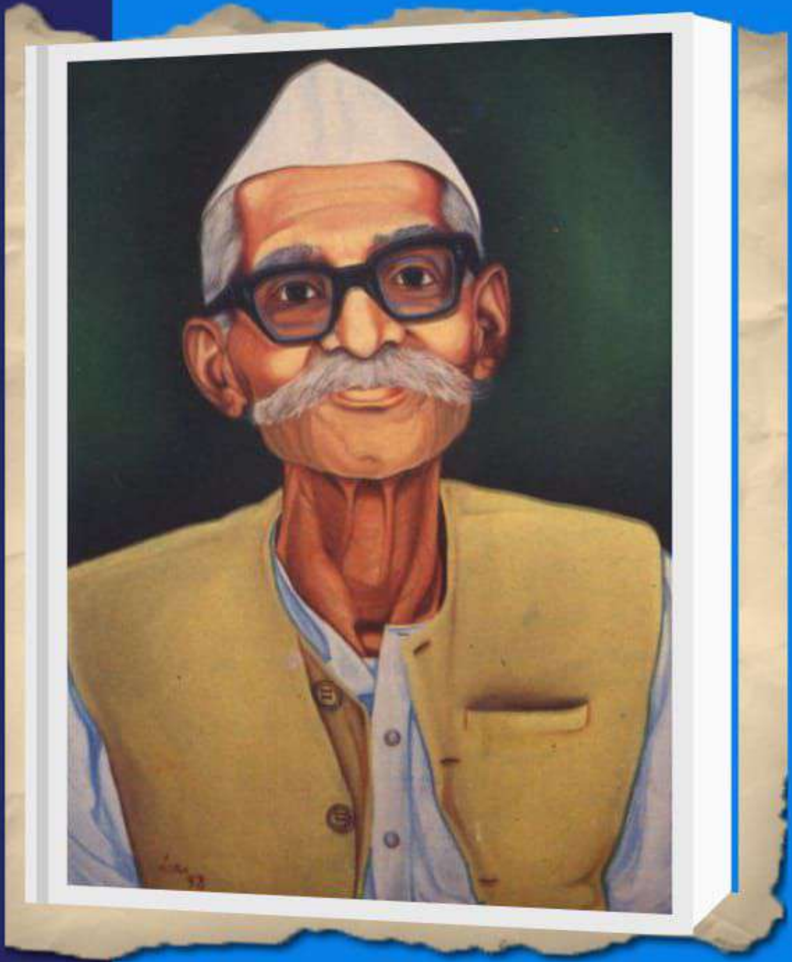

जन्म: 25 जुलाई 1894 - मृत्यु: 3 जनवरी 1979

www.teachersofbihar.org

Madhu priya